जनरल शिवदेव सिंह दीवान गुरबचन सिंह

ख़ालसा कॉलेज, पटियाला

(शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, श्री अमृतसर साहिब द्वारा प्रशासित और पंजाबी विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त)

नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त

यू.जी.सी. द्वारा कॉलेज विद 'पोटेंशियल फॉर एक्सीलेंस' स्टेटस

ऑटोनोमस कॉलेज

हिन्दी एवं अन्य भाषाएँ विभाग

सत्र – 2022-23

विषय : हिन्दी साहित्य

कोर्स आऊटकम (पाठ्यक्रम उपलब्धि)

बी.ए. प्रथम

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास का आधारभूत (Basic) ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होते है। आधुनिक कविता की विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के साथ साहित्य की विधाओं कहानी तथा उपन्यास के विषय में भी ज्ञान अर्जित करते हैं। इसके अतिरिक्त समसामयिक विषयों पर अपने विचार प्रकट करने से उनकी लेखन कला में सुधार होता है ।

बी.ए. द्वितीय

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास का विस्तृत ज्ञान हासिल करते हैं। साहित्य की विधाओं एकाँकी तथा उपन्यास की रचना प्रक्रिया को समझते हैं। इसके अतिरिक्त हिन्दी भाषा की उत्पत्ति विकास तथा विभिन्न रूपों की विस्तृत जानकारी हासिल करते हैं।

बी.ए. तृतीय

इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास का सम्पूर्ण ज्ञान हासिल करते हैं। हिन्दी साहित्य की नवीन विधाओं रेखाचित्र, संस्मरण, जीवनी तथा आत्मकथा आदि का विस्तृत ज्ञान अर्जित करते हैं। इसके अतिरिक्त छन्दों के माध्यम से कविता रचना की प्रक्रिया को भी समझते हैं।

प्रोग्राम आऊटकम (प्रोग्राम उपलब्धियाँ)

- हिन्दी साहित्य का विषय पढ़ने वाले विद्यार्थी स्कूलों तथा कॉलेजों में हिन्दी शिक्षक के रुप में कार्य कर सकते हैं।
- सरकारी तथा प्राईवेट बैंकों में हिन्दी ऑफिसर की नौकरी हासिल कर सकते हैं।
- सरकारी, अर्द्धसरकारी व प्राइवेट संस्थानों तथा बैंकों में अनुवादक के तौर पर कार्य कर सकते हैं।
- हिन्दी भाषा का उचित ज्ञान होने पर रेडियो तथा टेलीविज़न पर समाचार वाचक के रुप कार्य कर सकते हैं।
- विभिन्न हिन्दी समाचार पत्र/पत्रिकाओं में अनुछेच्द लेखन/ब्लॉग तथा समसामयिक विषयों पर ज्ञानवर्धक अनुबन्ध लेखन का कार्य कर सकते है।

डिप्लोमा इन उर्दू

कोर्स आऊटकम (पाठ्यक्रम उपलब्धि)

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी उर्दू भाषा के सामान्य ज्ञान के साथ-साथ इसकी व्याकरण से भी परिचित होते हैं। उर्दू के महान रचनाकारों के विषय में जानकारी हासिल करते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी सांस्कृतिक तथा सामाजिक समस्याओं से सम्बंधित भिन्न-भिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त कर अपनी लेखन कला में सुधार करते हैं।

डिप्लोमा इन फ़ारसी

कोर्स आऊटकम (पाठ्यक्रम उपलब्धि)

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी फ़ारसी भाषा के सामान्य ज्ञान के साथ-साथ इसकी व्याकरण व्याकरण का ज्ञान प्राप्त करके फ़ारसी भाषा सीखने में कुशलता प्राप्त करते हैं। फ़ारसी के महान साहित्य के विषय में जानकारी हासिल करते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी अनुवाद की कला में भी सक्षम होते हैं।

डिप्लोमा इन संस्कृत

कोर्स आऊटकम (पाठ्यक्रम उपलब्धि)

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों तथा श्रीजपुजी साहिब के माध्यम से जहाँ धर्मों का अध्ययन कर पाते हैं, वहीं अपनी समृद्ध संस्कृति के विषय में भी जानकारी हासिल करते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी वेद तथा वेदाङ्गों के सामान्य ज्ञान से भी अवगत होते हैं तथा व्यवहारिक पक्षों से भी भाषा का अध्ययन करना सीखता है और अनुवाद की कला में भी कुशलता प्राप्त करते हैं।

प्रोग्राम आऊटकम (प्रोग्राम उपलब्धियाँ)

उर्दू, फ़ारसी तथा संस्कृत से डिप्लोमा करने वाले विद्यार्थी जहाँ उच्च शिक्षा के योग्य बनते हैं। वहीं विभिन्न संस्थानों में अनुवादक का कार्य भी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त कई सरकारी नौकरियों जैसे पटवारी तथा योगा अध्यापक आदि तथा पुरातन भवनों की भित्तियों पर लिखे लेखों को पढ़ने में सहायक होने के कारण पर्यटन व्यवसाय में भी इन भाषाओं का ज्ञान रखने वालों के लिए अपार सम्भावनाएँ है।

सर्टिफिकेट कोर्स इन एंकरिंग (मंच संचालन)

कोर्स आऊटकम (पाठ्यक्रम उपलब्धि)

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी विभिन्न मंचों, रेडियो, टी.वी. तथा सिनेमा के सन्दर्भ में सफल एंकर बनने के लिए वक्ता के रूप में उपर्युक्त स्रोत सामग्री को एकत्र तथा प्रयोग करने की कला सीखेंगे। विद्यार्थी विभिन्न विधाओं से संबंधित पुस्तकों से स्रोत सामग्री ग्रहण करेंगे, जिससे बोलने की कला के साथ-साथ उनकी साहित्य पढ़ने में भी रूचि उत्पन्न होगी।

प्रोग्राम आऊटकम (प्रोग्राम उपलब्धियाँ)

इस कोर्स को करने के उपरान्त विद्यार्थी किसी भी औपचारिक, अनौपचारिक मंच रेडियो टीवी तथा सिनेमा से सम्बन्धित मंच पर सफलतापूर्वक एंकरिंग कर पायेंगे। रेडियो तथा टीवी पर समाचार वक्ता के रूप में कार्य कर सकेंगा। मंच-संचालन के साथ जहाँ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में निखार आएगा वहीं सुप्रसिद्ध व्यक्तियों के साथ बातचीत करने से आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी।

डॉ. हरविन्दर कौर
वाइस प्रिंसीपल (अकादमिक)
डीन (सांस्कृतिक गतिविधियाँ)
अध्यक्षा - हिन्दी एवं अन्य भाषाएँ विभाग
जनरल शिवदेव सिंह दीवान गुरबचन सिंह
ख़ालसा कॉलेज, पटियाला